

जैक मरे, नहेमायाह: संदेश 3

डेनयिल बर्कोवटिज़ द्वारा प्रतिलिखित, 2008 गॉर्डन कॉलेज

बाइबलि इंजीलवाद एक बार फरि डॉ. जैक मरे द्वारा व्याख्यात्मक उपदेश प्रस्तुत करता है जो उद्धारकर्ता को ऊंचा उठाने और श्रोता को आशीर्वाद देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। अब यहाँ डॉ. जैक मरे हैं:

समीक्षा

हम जिस पुस्तक का अध्ययन कर रहे हैं उसकी समीक्षा में मैं केवल कुछ ही मिनट बताऊंगा। मैं यह काम बहुत जल्दी करूंगा। मैं आज इसे थोड़े अलग तरीके से करने जा रहा हूँ। मैं एक बूढ़े व्यक्ति के उपदेश और शिक्षा से प्रसन्न हूँ। अब आप उसे अक्सर नहीं सुनते, लेकिन भगवान ने वर्षों से उसका उपयोग किया है और उसका नाम मैक्सवेल है। आप में से कई लोगों ने उस व्यक्ति के बारे में सुना है जो थ्री हलिस अल्बर्टा में स्कूल का संस्थापक और महान प्रमुख है। हालाँकि, वह न केवल अपने छोटे अखबार के प्रबंध संपादक हैं और टीएस रेंडेल नाम का एक व्यक्ति-अखबार का कनाडाई संपादक है। मैं अपने सभी स्टाफ सदस्यों के लिए इसकी सदस्यता लेता हूँ। कुछ समय पहले उन्होंने नहेमायाह पर एक बहुत ही मूल्यवान श्रृंखला बनाई थी। अब उन्हें पाना कठिन है। लेकिन मैंने पहले चार अध्यायों की समीक्षा के लिए आज ही उनका सारांश वक्तव्य लिया है। हम आज सुबह समीक्षा में इससे कुछ अधिक करने जा रहे हैं, लेकिन शिक्षण के महान नयिमों में से एक है समीक्षा, समीक्षा और समीक्षा।

ठीक है, आइए उन 4 अध्यायों को तेजी से पढ़ें। बटु संख्या एक: "आवश्यकता

नरिधारति करें।" अध्याय 1, श्लोक 1-4. नहेमायाह ने स्थतिपिर गौर कयिा और पाया कपिरमेश्वर के लोग बड़े कष्ट और तरिस्कार में थे, दीवारें तोड़ दी गईं, द्वार आग से जला दिए गए जसिसे उसे प्रार्थना करनी पड़ी। फरि पहले अध्याय के दूसरे भाग का शीर्षक है, "भगवान के चेहरे की तलाश करें।" अध्याय एक श्लोक 5-11.

पुस्तक के दूसरे महान खंड की शुरुआत, "सच्चाई के लिए बहादुर" और "लड़ाई में बहादुर।" हमारे पास अध्याय तीन में है, "शामलि हों," उसके बाद, "तथ्यों का सामना करें, " उनका सर्वेक्षण यह देखता है कविहां क्या है। और फरि अंत में,

उस अध्याय के श्लोक 17 और 18, " दूसरों को सूचीबद्ध करें"। फिर उनकी भाषा में संघर्ष के दूसरे तत्व की अभिव्यक्ति, "अपने दुश्मनों का सामना करो।" अध्याय तीन है "भार बांटो।" दीवार के निर्माण की महान तस्वीर और अध्याय चार वरिध के बावजूद दीवार का निर्माण है। अब यह आपको इस पर एक और छोटा दृष्टिकोण देता है।

अब आइए आज के अपने शक्तिषण पर वापस आते हैं। अब रूपरेखा की हमारी अपनी समीक्षा, जैसा कि हमने आपको पुस्तक का पहला भाग दिया था: "दृष्टि और प्रार्थना, " अध्याय एक। हम पहले ही उस पर चर्चा कर चुके हैं। दूसरा भाग: अध्याय 2 से अध्याय 7 तक "सच्चाई के लिए बहादुर" और "लड़ाई में बहादुर"। पहले चार अध्यायों के सकारात्मक पहलू जिन्हें हमने कवर किया है, "प्रार्थना का उत्तर दिया," "सक्षम नेतृत्व," "दीवार बनाना" और "दुश्मन का सामना करना।"

संघर्ष के चार तत्व

साथ ही इन चार अध्यायों में हमारे पास संघर्ष के चार तत्व हैं। अध्याय 2 पद 10, " उन्हें बहुत दुख हुआ कि इस्राएल के बच्चों की भलाई चाहने वाला एक व्यक्ति आएगा।" अध्याय 2 श्लोक 19 और 20, "उन्होंने विश्वासयोग्य कार्यकर्ताओं का तरिस्कार किया और उन पर हँसे।" अध्याय 4 श्लोक 1 से 3 तक, यह सब पुरानी सामग्री है, "वे बहुत क्रोधित थे कि दीवार बनाई जा रही थी।" अध्याय 4 श्लोक 7 और 8 में, "शारीरिक क्षतिको वास्तविक खतरा।" यह अब समीक्षा सामग्री है। हमने इन अध्यायों की उन घटनाओं का सारांश दिया और हमने आपको तीन प्रकार का कथन दिया और वह था: "प्रार्थना करने के लिए एक हृदय," "देखने के लिए एक आंख," और " काम करने के लिए एक दमिग।" मैं उन तीन कथनों की व्यावहारिकता पर अधिक जोर नहीं दे सकता। मेरे मंत्रालय में, जो इस देश और अन्य देशों में काफी व्यापक है, मैं

प्रार्थना जीवन की एक अद्भुत, आश्चर्यजनक कमी पा रहा हूँ।

प्रार्थना करने के लिए एक हृदय

मुझे एक साथ प्रार्थना करने वाले पतियों और पत्नियों की आश्चर्यजनक कमी महसूस हो रही है। मैं उपदेशकों के घरों में जाता हूँ जहाँ उपदेशक और उसकी पत्नी बहुत ही कम, कभी-कभार एक साथ मिलते हैं, केवल वे दोनों प्रार्थना के लिए एकत्र होते हैं। मैं संभवतः इसे समझ नहीं सका। जसि

लड़की से मैं प्यार करता हूँ वही लड़की है जिसके साथ मैं प्रार्थना करता हूँ। हमारे पास एक साथ प्रार्थना के जबरदस्त समय हैं। और फिर परिवार की प्रार्थना। हम इसे पारिवारिक प्रार्थना कहते हैं। हम इसे रात के खाने के बाद खाते थे जब सभी बच्चे घर पर होते थे। बच्चे कहते थे कहिम मठाई के लिए प्रार्थना करते हैं। मुझे वह कुछ पसंद है।

देखने वाली आँख

फिर दूसरा स्थान, "नज़र रखने वाली नज़र।" शैतान ने आपको कहाँ फँसाया है, अपनी कमजोरियों का पता लगाएँ और तैयार रहें। "ऐसा कोई प्रलोभन नहीं है जो मनुष्य के लिए सामान्य हो। ईश्वर विश्वासयोग्य है जो प्रलोभन के साथ-साथ बचने का एक रास्ता भी प्रदान करेगा जसि आप सहन कर सकें।" बचने के तरीके सीखें। जानें कि शैतान कहाँ काम करता है। चाहे वह आपके विचारों में हो, आपके शब्दों में हो, आपके कार्यों में हो या जो भी हो। "नज़र रखने वाली नज़र।"

नरिमाण करते रहें

जब भी यह सब चल रहा हो, तो कभी भी "ईश्वर के लिए नरिमाण करना बंद न करें।" शैतान को कभी भी आपको वह कुदाल नीचे रखने न दें। नरिमाण करते रहें, सभी वरिधों के बावजूद अपने हाथों में मुट्ठी भर ट्रैक भर लें, किसी को गवाही दें, काम पूरा करें। ईश्वर के लिए नरिमाण करें, काम करने के लिए आध्यात्मिक मन रखें।

अध्याय 5 परचिय: बाहर/अंदर

ठीक है, अब हम नई सामग्री, अध्याय पाँच में हैं। यह बस थोड़ा सा स्पष्टीकरण देता है। अध्याय 5 नहेमायाह की पुस्तक में काफी भिन्न है, क्योंकि इस समय तक इन अंतिम तीन अध्यायों में, हम बाहरी वरिध से नपिट रहे हैं - संबल्लत, टोबिया गेशेम।

अशोदी, सामरी, अरबी, अमोनोनी, परमेश्वर के शत्रु बढ गए। हम कल "प्रभु को याद करो" के महान उद्घोष के साथ समाप्त हुए और हमें नहेमायाह के लिए महान वजिय मली। लेकिन अब, यह अंदर का काम है, हम इन बाहरी दुश्मनों से नहीं नपिट रहे हैं, अब हम दीवार के बाहर से नहीं नपिट रहे हैं, हम दीवार के अंदर से नपिट रहे हैं। आज सुबह मैं इस अध्याय को पढ रहा हूं क्योंकि यह

नए अमेरिकी मानक संस्करण से थोड़ा स्पष्ट है, मुझे पांचवें अध्याय के पहले कुछ छंद पढ़ने दीजिए।

"अब लोगों और उनकी पत्नियों का अपने यहूदी भाइयों (अब, उस शब्द "भाइयों" या भाइयों को याद रखें) के खिलाफ एक बड़ा रोना था क्योंकि ऐसे लोग थे जिन्होंने कहा था कि हिम और हमारे बेटे और हमारी बेटियाँ बहुत हैं इसलिए हमें अनाज लेने दो ताकि हिम खा सकें और जी सकें और कुछ ऐसे भी थे जिन्होंने कहा कि हिम अपने खेत, अपने अंगूर के बगीचे और अपने घर गरिबी रख रहे हैं ताकि हिम अकाल के कारण अनाज मलि सके और कुछ ऐसे भी थे जिन्होंने कहा कि हिमने इसके लिए पैसे उधार लिए हैं हमारे खेतों और दाख की बारियों पर राजा का कर लगा दिया गया है और अब हमारा शरीर हमारे भाइयों के शरीर के समान है, और हमारे बच्चे उनके बच्चों के समान हैं। फिर भी देखो हम अपने बेटों और बेटियों को गुलाम बनाने के लिए मजबूर कर रहे हैं, हमारी कुछ बेटियाँ पहले से ही गुलामी में हैं और हम असहाय हैं क्योंकि हमारे खेत और दाख की बारियाँ दूसरों की हैं" (नहे. 5:1-5)। हर कोई एक पल के लिए ऊपर देखता है। अब, यह विश्वासियों के किसी भी समूह के अंदर कई स्थितियों में से एक हो सकता है। हम अब भाइयों के बारे में बात कर रहे हैं। इस विशेष मामले में, यह था कि कुछ लोग थे जिनके पास था और कुछ लोग जिनके पास नहीं था। कुछ लोग थे जिनके पास पैसा था जिसका वे उपयोग कर सकते थे और उधार ले सकते थे और ब्याज प्राप्त कर सकते थे और धीरे-धीरे अपने भाइयों को गुलाम बना सकते थे। उनका दर्शन था कि जितना हो सके उतना पाओ और जितना पाओ उतना पाओ।

और अब यह सब स्पष्ट रूप से नहेमायाह के ज्ञान के बिना चल रहा था। कभी-कभी आप जानते हैं, एक महान आध्यात्मिक नेता परमेश्वर के कार्य करने के महान

कार्यों पर इतना ध्यान केंद्रित करेगा, कविह चूक सकता है, वह यह भी महसूस करने में वफिल हो सकता है कि कुछ ऐसा पक रहा है जो बहुत वनिशकारी है। लेकिन प्रेरितों की पुस्तक के 20वें अध्याय में पॉल हमें बताता है कि आत्मा के दुश्मन न केवल बाहर से आते हैं, बल्कि झुंड को नष्ट करने के लिए भूखे भेड़िये आते हैं, लेकिन मनुष्य भी ऐसा ही करने के लिए भीतर से उठ खड़े होते हैं। और इसलिए यह सब अंदर ही अंदर हुआ है जिसने एक भयानक स्थिति पैदा कर दी है। और यह नहेमायाह के ज्ञान में आता है।

अब, आइए नहेमायाह और उसकी प्रतिक्रिया देखें। "तब मैं

उनकी चलिलाहट और ये शब्द सुनकर बहुत क्रोधति हुआ और फरि मैं इन शब्दों को जारी रखूँगा और मैंने अपने मन में वचिार कयिा " (नहेमायाह 5:7)। जब आप क्रोधति होते हैं तो यह करना एक अच्छी बात है। अब हम इसे धार्मकि क्रोध कहेंगे, यह था। नहेमायाह जो एक बहुत अमीर आदमी था, और हम आज कुछ ही मनिटों में उस पर आएँगे, वह यह नहीं सोच सकता था कि पैसे वाले लोग उन लोगों का फायदा उठा सकते हैं जनिके पास पैसे नहीं हैं। वह कल्पना नहीं कर सकता था कि इस सामान्य कारण में वशिवासी के वरिदुध वशिवासी हो सकता है। ये महान बरनबास की तरह नहीं थे जनिहोंने अपने खेत बेच दिए और प्रेरतिों के चरणों में रख दिए। जो, प्रेरतिों के काम के अध्यायों के आरंभकि भाग में, लोगों की जरूरत के कारण परमेश्वर की चीजों को उदारता से दे रहे थे। बाइबल हमें प्रेरतिों के काम में बताती है कि इसके परणामस्वरूप किसी भी मनुष्य को आवश्यकता नहीं पड़ी।

क्या मैं बरमूडा के लिए थोड़ा सा प्रचार कर सकता हूँ? आप जानते हैं, मैं बरमूडा के कई घरों में गया हूँ और मैं धन्य हूँ, क्योंकि जब कोई पड़ोसी मुसीबत में होता है या कोई परिवार में मुसीबत में होता है और कोई बीमार होता है, तो वे यह नहीं पूछते कि क्या वे मदद कर सकते हैं और आप बरमूडयिन मेरा समर्थन कर सकते हैं। वे बस वहाँ चले आते हैं और मदद करते हैं। हम अपने लोगों का खयाल रखते हैं। काश मैं अमेरिका में ऐसा और देख पाता। लेकिन क्या यह बहुत बुरा नहीं है कि यह वशिवासियों के वरिदुध वशिवासियों की लड़ाई है? यही हो रहा है। खैर, हम क्या करने जा रहे हैं? यह एक बड़ी समस्या है? इसका बाहरी दुश्मन से कोई लेना-देना नहीं है। चलो इसे कालीन के नीचे झाड़ देते हैं, है न? चलो, यह चला जाएगा। चलो बस कुछ दनिों के लिए इस पर सो जाते हैं, यह चला जाएगा। पाप कैसर से भी कहीं ज्यादा बुरा है। पाप सौम्य नहीं है यह

है, "मैंने समझाया कि क्या गलत था।" मैंने इसे बहुत स्पष्ट कर दिया ताकि लोग समझ सकें। कविह शास्त्र-विरुद्धी और शरीर के सामान्य हति के विरुद्ध था। फिर, इसे समझाने के बाद, "मैंने इसे उजागर किया" जो कविह था। और फिर "मैंने इसे निकाल दिया।" यही वह करता है। अब तीन और शब्द लें और वही बात कहें "मैंने इसे उजागर किया," मैंने पर्दा हटा दिया। यही सबसे अच्छी बात है। इसे खुले में लाएँ जहाँ आप इससे नपिट सकें। और फिर उसके बाद अगर यह गलत है तो "इसे फटकारें"। और फिर, "जो नष्ट हो गया था उसे बहाल करें।" ठीक यही बात इस अध्याय में है। यह महान पुनरुद्धार अध्यायों में से एक है। क्या मैं यह कह सकता हूँ? अगर नहेमायाह ने इस बट्टि पर इस समस्या से नपिता नहीं होता तो नहेमायाह के अध्ययन में बाकी बाइबल का कोई सवाल ही नहीं उठता। उसे अब इस समस्या का सामना करना था। अगर इसका सामना अभी नहीं किया जाता तो अगले अध्याय में जीत हासिल नहीं होती, इसलिए वह इसका सामना करता है। और, जाहरि है कि उसे इसका सामना अकेले ही करना था क्योंकि विह कुलीनों से लड़ रहा था, वह शासकों से लड़ रहा था लेकिन वह जानता था कि विह बिल्कुल सही था।

अब उसे कैसे पता चला कि विह बिल्कुल सही था? इस अध्याय में तरक की तीन पंक्तियाँ हैं। उसने कहा, "तुम अपने भाई से ब्याज या ब्याज वसूल रहे हो। इसलिए, मैंने उनके खिलाफ एक बड़ी सभा की। मैंने उनसे कहा कि हिमने अपनी क्षमता के अनुसार अपने यहूदी भाइयों को छोड़ा है जो राष्ट्रों को बेचे गए थे। अब, क्या तुम अपने भाइयों को बेचोगे ताकि वे हमारे हाथों बेचे जा सकें। तब वे चुप हो गए, और बोलने के लिए कुछ न कह सके" (नहे. 5:7-8)।

यह एक जबरदस्त तरक है। यदि आप आज सुबह एक आसक्ति हैं तो आप एक ही

शरीर, मसीह के शरीर का हिस्सा है और आप जो भी करते हैं उसका मुझ पर असर पड़ता है। मैं जो भी करता हूँ उसका असर आप पर पड़ता है। ठीक वैसे ही जैसे आपके शरीर का हर अंग आपके शरीर के हर दूसरे हिस्से को प्रभावित करता है। आप यह नहीं कह सकते कि मैं जो करता हूँ वह मेरा अपना मामला है और गलत काम करने के इस दायरे में किसी और का मामला नहीं है। अरे नहीं, उन्होंने कहा, हम भाई हैं। हम एक ही शरीर के हैं। हमें एक दूसरे से प्यार करने की ज़रूरत है। यह एक शानदार तर्क है, है न?

दूसरी बात, "मैंने इसी प्रकार कहा था, मेरे भाई और नौकर उन्हें अनाज उधार देते हैं, कृपया यह सूदखोरी छोड़ दें।" पद 9. "जो काम तुम कर रहे हो वह अच्छा नहीं है। क्या तुम्हें हमारे शत्रुओं की नामधराई के कारण हमारे परमेश्वर का भय मानते हुए नहीं चलना चाहिए?" (नेह. 5:9) जहां तक गवाही का सवाल है तो यह क्या करता है? क्या आपको याद है कनिथन ने दाऊद से उसके महान पाप के बाद क्या कहा था? उसने कहा, "तू ने अन्यजातियों, अन्यजातियों को परमेश्वर की ननिदा करने का अवसर दिया है!" और हर आस्तकि यही करता है कतिम भी इसे सौंप दो। आप में से कतिने लोगों ने कसी के साथ व्यवहार किया है और कोई वापस आता है और हाँ कहता है? मैं आपके चर्च में इस व्यक्ति को और आपके चर्च में उस व्यक्ति को जानता हूँ और मैं उनके बारे में ऐसी बातें और चीजें जानता हूँ जो बेहद खराब हैं। इसके लिए आपके पास कसि प्रकार का उत्तर है? बहुत ज्यादा नहीं। मैं जानता हूँ कउनके लिए प्रभु के पास आने का कोई बहाना नहीं है, लेकिन यह एक भयानक त्रासदी है जब आत्मा के दुश्मन शविरि के भीतर वसिंगतियों और पापों की ओर इशारा कर सकते हैं और इसके कारण आपको वमिख कर सकते हैं। ठीक यही वह यहाँ कह रहा है। आप जो कर रहे हैं, उससे आपने इस शरीर की गवाही को नष्ट कर दिया है। अब तीसरा तर्क क्या है? तीसरा तर्क स्वयं-स्पष्ट है। जब भी वे ऐसा कर रहे थे, कोई दीवार नहीं बन रही थी। सही? सब कुछ कसि स्थिति में आ गया? पीसने का एक पड़ाव. तोबियाह की वजह से नहीं. संबलात के कारण नहीं. शत्रुओं के कारण नहीं, बल्कि ईमानवालों के कारण। आत्मा का बाहरी कोई भी शत्रु कभी भी ईश्वर के कार्य को नष्ट नहीं कर सकता। लेकिन मैं आपको बताऊंगा कएक आस्तकि जसिके जीवन में पाप स्वीकार नहीं किया गया है, वह इसे रोक सकता है।

यह पुनरुद्धार सत्य है. अब शायद आपको ये पुनरुद्धार सत्य पसंद न आये. लेकिन आपने मेरे साथ इस वषिय पर शुरुआत की, नहेमायाह वह व्यक्ति है जिसने पुनरुत्थान के लिए प्रार्थना की और उसे प्राप्त किया। पुनरुद्धार के लिए कुछ लागत आती है। आपको पुनरुद्धार की कीमत चुकानी होगी। नहेमायाह इस बिंदु पर बस इससे मुंह मोड़ सकता था और कह सकता था कि किसी तरह यह ठीक हो जाएगा या यह चला जाएगा। नहीं, नहीं, आइए अब उनके शब्दों पर गौर करें। "कृपया आज ही उन्हें उनके खेत, और उनकी दाख की बारियां, और जैतून के बाग, और घर, और अन्न और नये दाखमधु समेत जो धन तुम उन से वसूल करते हो उसका सौ भाग लौटा दो। तब उन्होंने कहा, 'हम इसे वापस ले लेंगे और

उनसे कुछ भी नहीं लेंगे, हम बलिकूल वैसा ही करेंगे जैसा आप कहेंगे। ' इसलिए मैंने याजक को बुलाया और उनसे शपथ ली कि वे इस वादे के अनुसार करेंगे। मैंने अपने वस्त्र का अगला भाग भी उतार दिया और कहा, 'इसी प्रकार भगवान हर उस व्यक्ति को उसके घर से और संपत्ति से बाहर कर दें जो इसे पूरा नहीं करता है। यह प्रतज्ञा अवश्य है कि वह इस रीति से हलिकर खाली हो जाए' (नेह. 5:9-13)

उसे बहुत अनुकूल प्रतिक्रिया मिली, है न? अब क्या हुआ? और पूरी सभा ने आमीन कहा। और फिर वे कहाँ लौट आए? और उन्होंने प्रभु की स्तुति की। फिर लोगों ने इस वादे के अनुसार किया। उसने समस्या का सामना किया, उसने समस्या का समाधान किया। अब हम आगे बढ़ सकते हैं।

आत्मकथा

लेकनि आगे बढ़ने से पहले, यहाँ थोड़ी आत्मकथा है। आप जानते हैं कि फिलिपियों की पुस्तक के महान अध्ययनों में से एक पॉल की आत्मकथा के तीन महान खंड हैं। आप फिलिपियों से पॉल के बारे में बहुत सी अंतरंग बातें सीखते हैं, जहाँ वह फिलिपियों के बजाय खुद के बारे में बात करता है। अब, नहेमायाह अपने बारे में थोड़ा बात करने जा रहा है। यह एक बहुत ही मनोरंजक श्लोक है इसलिए हम इसे जल्दी से पढ़ेंगे। श्लोक 14. "और जिस दिन से मैं यहूदा के देश में उनका राज्यपाल नियुक्त किया गया, राजा अर्तक्षत्र के 20^{वें} वर्ष से 32^{वें} वर्ष तक।" (नेह. 5:14) कल व्याख्यान के बाद कोई मेरे पास आया और पूछा, "आप 12 वर्ष कैसे जानते हैं?" आपने सही कहा। यही इसकी पुष्टि है। बारह वर्ष। "न तो मैंने और न ही मेरे किसी रश्तेदार ने राज्यपाल का भोजन भत्ता खाया है।" दूसरे शब्दों में, मुझे अपने भरण-पोषण के लिए धन का दावा करने का अधिकार था, लेकिन मैंने एक पैसा भी नहीं लिया। वह आज के समय में एक

प्रतभाशाली व्यक्ति था, जो एक डॉलर प्रतिवर्ष के हिसाब से सेवा करता था। और नहेम्याह ने कहा, "लेकिन मेरे पहले के राज्यपालों ने लोगों पर बोझ डाला और उनसे रोटी और दाखमधु के अलावा 40 शेकेल चांदी भी ली, यहाँ तक कि उनके सेवकों ने लोगों पर अत्याचार किया, लेकिन मैंने परमेश्वर के भय के कारण ऐसा नहीं किया।" मैंने परमेश्वर के भय के कारण ऐसा नहीं किया। और, मैंने नोट्स में नहेम्याह के शानदार उदाहरण को शामिल किया। यदि आप एक नेता बनने जा रहे हैं, तो आपको एक उदाहरण बनना होगा।

नहेम्याह उन लोगों के सामने खड़ा हो सकता है जो उससे कम अमीर थे और उन्हें अपने कार्यों के बारे में बता सकते हैं और वे नदि से परे हैं। यहाँ यह एक दुखद बात होती यदि नहेम्याह भी यही काम कर रहा होता, लेकिन वह ऐसा नहीं कर रहा था। "और मैंने खुद को इस दीवार के काम में भी लगा दिया। हमने कोई ज़मीन नहीं खरीदी और मेरे सभी सेवक काम के लिए वहाँ इकट्ठे हुए" (नेह. 5:16)। वह क्या कह रहा है? मैंने अपने हाथ गंदे कर लिए। मैं इस दीवार का निर्माण कर रहा हूँ, मैंने लोगों से वह करने के लिए नहीं कहा जो मैं करने को तैयार नहीं हूँ। मैं अपने लोगों से मुलाकात के लिए बाहर जाने को नहीं कहता और मैं मुलाकात के लिए बाहर जाने को तैयार नहीं हूँ। मैं जो उपदेश देता हूँ, उसका पालन भी करता हूँ।

इतना ही नहीं, मेरे मन में स्वार्थ नहीं था, मैंने अपने पैसे को बढ़ाने के लिए नहीं लिया, और मैंने अपने घर के हर नौकर को, और उसके पास उनमें से काफी लोग रहे होंगे, यह दीवार बनाने के लिए आदेश दिया। "इसके अलावा, मेरी मेज पर 150 यहूदी और अधिकारी थे, उनके अलावा जो हमारे आस-पास की जातियों से हमारे पास आए थे।" (नेह. 5:17)। अरे, हर दिन खलाने के लिए इतनी भीड़ है, है न? उसकी मेज पर 150 से ज्यादा लोग। आप आज के खाद्य मूल्यों पर 150 लोगों को कैसे खलाना चाहेंगे?

खैर, उसने हमें बताया कि उसने उन्हें क्या परोसा। उसने क्या कहा? "प्रत्येक दिन एक बैल और छह अच्छी भेड़ें तैयार की जाती थीं, मेरे लिए पक्षी भी तैयार किए जाते थे और दस दिनों में एक बार सभी प्रकार की शराब प्रचुर मात्रा में उपलब्ध कराई जाती थी, फिर भी इन सबके लिए मैंने राज्यपाल से भोजन भत्ते की मांग नहीं की क्योंकि दासता थी इस लोगों पर भारी" (नेह. 5:18) अब यह इस तथ्य के लिए मेरा तर्क है कि नहेम्याह के पास कहीं न कहीं थोड़ी नकदी रही होगी। क्या आप मुझसे बहस करने जा

रहे हैं? नहीं, मुझे लगता है कि उसके पास काफी संसाधन थे और वह इसे भगवान के हवाले कर रहा था। न केवल उनका समय, न केवल उनकी प्रतिभाएँ, और उनके पास शानदार प्रतिभाएँ थीं, बल्कि उनका खजाना था! वे एक साथ चलते हैं. समय। प्रतिभा। खजाना। सब कुछ भगवान के अधीन है।

फिर वह इसे खत्म करने के लिए एक छोटी सी प्रार्थना करता है। "हे मेरे परमेश्वर, जो कुछ मैं ने इन लोगों के लिये किया है, उस से भलाई की बात स्मरण रख।"

ठीक है, अब यह हल हो गया है, कक्षा, और हमें फरि से युद्ध की बारीकियों पर वापस जाना होगा, लेकिन आपको समस्याओं को हल करना होगा और फरि आगे बढ़ना होगा। ठीक है, चलो यहाँ एक और स्थितिलिते हैं। कृपया मेरे साथ अध्याय 6 पर जाएँ और अध्याय 6 में हम आज कुछ बहुत ही दिलचस्प चीजें देखने जा रहे हैं, और मैं कुछ दोस्तों को खो सकता हूँ, मुझे नहीं पता। लेकिन नहेमायाह का अध्याय 6 और मैं आपसे अपनी बाइबल खोलने और आह, इस 6^{वें} अध्याय को देखने के लिए कहने जा रहा हूँ क्योंकि यह सबसे महत्वपूर्ण चीजों में से एक है जैसा हम नहेमायाह की पुस्तक में देखेंगे।

मैं अध्याय 6 की पहली कविता से पढ़ना शुरू करूँगा। यह यहाँ है। "अब ऐसा हुआ, जब सम्बल्लत, टोबयिह, और गेशेम अरब, और हमारे शेष शत्रुओं को यह समाचार मिला, कि मैं ने शहरपनाह फरि बना ली है, और उस में कोई दरार न रही (यद्यपि उस समय मैं ने ऐसा किया था) दरवाजे और द्वार स्थापित न करें।) अब दीवारें व्यावहारिक रूप से पूरी हो गई हैं। उन्होंने कभी भी निर्माण कार्य बंद नहीं किया। "तब सम्बल्लत और गेशेम ने मेरे पास कहला भेजा, कि आओ, हम ओनो के मैदान के किसी गांव में इकट्ठे हों। परन्तु वे मुझे हानि पहुंचाने वा मेरे साथ बुराई करने की युक्तिकर रहे थे" (नेह. 6:1-3).

सार्वभौम आंदोलन का शिकार

अब एक क्षण ऊपर देखो. आपका मतलब है कि यह वही भीड़ है? क्या ये वही लोग हैं जो अत्यधिक दुखी थे? क्या ये वही लोग हैं जो हँस रहे थे और उपहास कर रहे थे? क्या ये वही लोग हैं जो पागल थे, क्रोधित थे? क्या ये वही लोग हैं जिन्होंने कहा था, "अगर तुम दीवार बनाते रहोगे तो हम तलवारें उठा लेंगे और तुमसे लड़ेंगे।" अब वे मीठे स्वर में कह रहे हैं, प्यारे, हम बैठकर इस विषय पर बात क्यों नहीं करते? यह शैतान का

एक और कपटी दृष्टिकोण है। भगवान के कई अच्छे लोगों ने आत्मा के सभी शत्रुओं का सामना किया है... क्या आप अपनी सीट बेल्ट बांध रहे हैं? ...और विश्वव्यापी आंदोलन का शिकार बन गया है। बहुत से लोगों ने परमेश्वर के लिए महान कार्य बनाया है। फिर अचानक जब अविश्वासी ने कहा, "चलो बैठो।" कुछ चीजें समान हैं, भले ही कुछ चीजें हैं जिनसे हम असहमत हैं। और चलाए इस पर बात करते हैं। निश्चिंता रूप से, हम कुछ सामान्य आधार पर आ सकते हैं।

नश्चिति रूप से, संगतसित्य से अधिक महत्वपूर्ण है। "क्या आप इस पर कभी विश्वास नहीं करते। ये आत्मा के वही शत्रु हैं, लेकिन वे भेड़ के भेष में भेड़ियों के रूप में सामने आ रहे हैं। पॉल ने कहा कि वे प्रकाश के स्वर्गदूत थे, यहां तक कि मिंच पर सेवक भी थे। भगवान की भेड़ के रूप में प्रच्छन्न, लेकिन हर समय, हसिक भेड़िये।

नहेमायाह तुम से कहता है, वे बुराई करना चाहते थे। अब, यहाँ यह हबिरू पाठ थोड़ा अस्पष्ट है। इसका मतलब शायद उन्हें कार्यकर्ताओं से अलग करना था, फूट डालो और राज करो की पुरानी रणनीति। यदि वे कभी नहेमायाह को इस भीड़ से दूर ले जा सकें तो संभवतः वे काम रोक सकते हैं। मैं यह साबित करने जा रहा हूँ कि यह भी सच है, अन्यथा यह और अधिक गंभीर हो सकता है। बुरा करने के लिए हानि पहुँचाने वाले शब्द को हत्या करने के लिए भी पढ़ा जा सकता है। उन्होंने सोचा कि वे उसे लोगों से दूर करने और फरि उससे छुटकारा पाने में सक्षम हो सकते हैं। आइए हम ओनो के मैदानों के एक गाँव में मलिन और नहेमायाह ने कहा, "अरे नहीं।" अरे नहीं। फरि कुछ लोगों ने उस अगले श्लोक को ग़लत समझ लिया है। लेकिन मैं इसे ग़लत नहीं समझता क्योंकि नहेमायाह जो कहता है, "इसलिए मैंने उनके पास दूत भेजे और कहा कि मैं एक महान काम कर रहा हूँ और मैं नीचे नहीं आ सकता। जब तक मैं इसे छोड़कर तुम्हारे पास आऊँ, काम क्यों रुकना चाहिए?" (नेह. 6:3)

अब आप कह सकते हैं कि विहां थोड़ी-सी चुभन थी, आप जानते हैं, नहीं। कोई भी व्यक्ति जो यह विश्वास नहीं करता कि यदि वह ईश्वर की इच्छा पूरी कर रहा है तो वह ईश्वर के लिए जो कर रहा है, वह पृथ्वी पर सबसे बड़ा कार्य है, तो कुछ ग़लत है। यह सबसे बड़ा काम है। आप ईश्वर के स्थान पर वह कार्य कर रहे हैं जो सबसे महान है। तथास्तु। और उन्होंने कहा, "मुझे विश्वव्यापी सम्मेलन के लिए अपना ट्रॉवल क्यों

रखना चाहिए? मुझे आपके साथ बातचीत में क्यों शामिल होना चाहिए? और काम बंद हो जाता है. मैं अपना समय बर्बाद नहीं कर सकता।" अब एक मिनट रुकें, बस एक मिनट रुकें, आप में से कुछ लोग लाल हो रहे हैं...उसी तरह, अब्राहम क्युपर ने कहा, "शास्त्रों के अनुसार, एक साथ क्या नहीं होना चाहिए, अलग हो जाना चाहिए।" लेकिन, उन्होंने कुछ और भी कहा, उन्होंने कहा, "जो एक साथ रहना चाहिए उसे एकजुट होना चाहिए।" उसी सत्य से, जो एक साथ नहीं होना चाहिए, वह एक बात है, परन्तु जो लोग प्रभु से प्रेम करते हैं, उनके हृदय एक साथ होने चाहिए।

यही सच्ची विश्वव्यापीता है। आप कहते हैं, "वह शब्द क्या है?" सच्चा संवाद, हाँ। विश्वासियों के साथ विश्वासियों, ओह, हम महान आवश्यक बातों में एक साथ खड़े हैं! शास्त्र की मौखिक और स्पष्ट प्रेरणा। कुंवारी जन्म, प्रतिनिधिप्रायश्चित्ति, मसीह का शारीरिक पुनरुत्थान, चमत्कारों की सत्यता, विश्वास की सत्यता! आह, हम चर्च सरकार के आदेश पर असहमत हो सकते हैं, चाहे वह स्वतंत्रता हो या प्रेसबिटीरियल या एपिस्कोपलसी। हम चर्च के आदेश पर असहमत हो सकते हैं। आपकी सेवा मेरी तुलना में थोड़ी अधिक औपचारिक हो सकती है, या मेरी आपकी तुलना में थोड़ी अधिक औपचारिक हो सकती है। मैं रविवार की सुबह लोगों को अपने चर्च से बाहर निकालता था क्योंकि यह बहुत औपचारिक था और रविवार की रात को छोड़ देता था क्योंकि यह बहुत अनौपचारिक था। लेकिन ये विशिष्टताएँ हैं जो हमें स्थानीय नकियों के रूप में अलग करती हैं। लेकिन उन्हें हमें विश्वास की सत्यता पर अलग नहीं करना चाहिए! एक सच्ची विश्वव्यापीता। मैं उन लोगों के बारे में बात नहीं कर रहा हूँ जो इन अन्य चीजों पर असहमत हैं। मैं शास्त्रों के महान सत्यों के बारे में बात कर रहा हूँ और विश्वास एक साथ होना चाहिए और अविश्वास दूसरे स्थान पर होना चाहिए। नहेमायाह यह जानता था।

संघर्ष का छठा तत्व: झूठ

ठीक है, चलिए अब अगले पर चलते हैं। ये रहा। यहाँ संघर्ष का छठा तत्व है। खैर, वे सफल तो नहीं थे? "उन्होंने इसी प्रकार मेरे पास चार बार सन्देशवाहक भेजे और मैंने उन्हें इसी प्रकार उत्तर दिया" और वे इससे तंग आ गये। "तब सम्बल्लत ने अपने नौकर को उसी प्रकार मेरे पास पाँचवीं बार भेजा और उसके हाथ में एक खुला पत्र था।" अब इस खुले पत्र की सामग्री पर गौर करें। "यह राष्ट्रों के बीच में बताया गया है और

गशमू, जो गेशेम है, कहता है, कि आप और यहूदी विद्रोह करने की योजना बना रहे हैं। इसलिए, आप शहरपनाह का पुनर्निर्माण कर रहे हैं। इन रिपोर्टों के अनुसार आपको उनका राजा बनना है और आपने भविष्यवक्ताओं को भी नियुक्त किया है कि यरूशलेम में तेरे विषय में प्रचार करूं, कि यहूदा में एक राजा है, और अब इन समाचारों के अनुसार राजा को समाचार दिया जाएगा, सो आओ, हम मिलकर सम्मति करें। (नेह. 6:5-7)

झूठी रिपोर्ट के बारे में बात करें। इसमें झूठ के अलावा कुछ नहीं है। यह क्या कहता है? इसमें कहा गया है, हम जानते हैं कि आपका कोई गुप्त उद्देश्य है। आप जानते हैं कि यह आश्चर्यजनक है कि कुछ लोग

दूसरे लोगों के दमिग को कैसे पढ़ सकते हैं! यह आश्चर्यजनक है कलोग अपने उद्देश्यों को कैसे व्यक्त कर सकते हैं। आपने किसी को यह कहते हुए सुना है, "क्या आप जानते हैं कि उन्होंने ऐसा क्यों किया, है ना"? वे हमेशा घातक गुप्त उद्देश्य की तलाश में रहते हैं। अब, नहेमायाह, तुमने स्वयं को एक आम आदमी और राज्यपाल के रूप में प्रस्तुत किया है। आपने इस शहर के पुनर्निर्माण में आर्ट एक्सरक्स के तहत काम किया है, लेकिन हर समय, आप अच्छी तरह से जानते हैं कि आप क्या चाहते हैं। आप बड़ा शॉट बनना चाहते हैं। आप राजा बनना चाहते हैं और आपने भविष्यवक्ताओं का दमिग खराब कर दिया है और आप उन सभी को तैयार कर रहे हैं। और जैसे ही वह दीवार पूरी हो जाएगी, एक संयुक्त चलिहाट होने वाली है और यह होगा, "यहूदा में एक राजा है, राजा नहेमायाह और फिर आप अर्तक्षत्र के खिलाफ विद्रोह करने जा रहे हैं। सड़ा हुआ झूठ पलटो।

आपमें से कतिने लोग झूठ सुनना पसंद करते हैं? मुझे एक दिन एक पत्र मिला, मैंने इसे देखा, इस पर यकीन नहीं कर पाया। मैं एक कॉलेज का अध्यक्ष था, मैं एक महान चर्च का सफल पादरी था, मैंने पलक झपकाई, मैं इसे अपने वकील के पास ले गया। उसने इसे देखा। उसने इसे पढ़ा। उसने कहा, "क्या आप \$50,000.00 चाहते हैं?" मैंने कहा, "जॉन तुम्हारा क्या मतलब है, मैं हमेशा \$50,000.00 चाहता हूँ नहीं, उसने कहा, "वह पत्र इतना अपमानजनक और इतना गलत है, कियदि आप इसे अदालत में ले जाना चाहते हैं, तो आप आसानी से \$50,000.00 ले सकते हैं।" मैं उस पर हँसा, मैंने कहा "मुझे इस तरह से \$50,000.00 नहीं चाहिए!" लेकिन साथ ही, वह पत्र कटा हुआ था, लेकिन यह एक झूठ था!

अब नहेमायाह ने शायद इस तरह प्रतिक्रिया व्यक्त की होगी,

“ओओओओओओओएचएच कसिी को गलत वचिार आया है। बेहतर होगा कर्मिे नीचे जाऊं और उससे बात करूं। बेहतर होगा कर्मिे इस महासभा के साथ बैठूं...नहीं, मेरा मतलब सामरी लोगों से है। बेहतर होगा कर्मिे इस मंत्रसि्तीय संघ के साथ बैठूं, नहीं, मेरा मतलब सामरी से है। बेहतर होगा कर्मिे जाऊं और अपने आप को घोषति कर दूं कर्मिे वास्तव में क्या हूं। हर कसिी को मेरा शुद्ध उद्देश्य पता होना चाहिए।” उन्होंने अपना समय बर्बाद नहीं कयिा। आपका अपना मन।” (नहे. 6:8) अब यह इसे लाइन पर रख रहा है। न केवल वे झूठ हैं, बल्कआपने इसे बना लयिा है। हाँ, यह झूठ का एक पैकेट है और यह इसे स्थापति करता है .

खैर, यह दुश्मन डट गया है। हालात थोड़े मुश्किल हो रहे हैं, है न? जरूर हैं। इसलिए, नहेमायाह थोड़ी और प्रार्थना कर रहा है। आपने उसे अध्याय 5 के अंत में प्रार्थना करते हुए पाया, आप उसे अब फिर से प्रार्थना करते हुए पाते हैं। "क्योंकि वे सभी हमें डराने की कोशिश कर रहे थे, यह सोचकर कि वे काम से हतोत्साहित हो जाएंगे क्योंकि यह नहीं किया जाएगा।" हमें डराने के लिए कुछ भी, हमें हतोत्साहित करने के लिए कुछ भी, हमें दीवार बनाने से रोकने के लिए कुछ भी! फिर नहेमायाह की उन संक्षिप्त प्रार्थनाओं में से एक फिर से लेकिन अब "हे भगवान! मेरे हाथ को मजबूत करो!" मैं आपको बताता हूँ कि इस समय तक उसे कुछ नशान दिखाई दे रहे थे लेकिन पॉल ने कहा, "मैंने अपने शरीर को प्रभु यीशु के नशानों में दफना दिया!" वह अब खून, पसीने और भगवान के काम के निर्माण के संघर्ष के आँसुओं में खड़ा है। यह एक आसान रास्ता नहीं है। नहीं, नहीं।

संघर्ष का सातवाँ तत्व: सफलता

अब , जब हम इस अगले भाग की ओर मुड़ते हैं तो हमारा दिल थोड़ा उदास हो जाता है। मुझे समझाने दीजिए कि क्या हो रहा है। संघर्ष का सातवाँ तत्व, "सफल।" क्या? हां, और शुक्रवार की सुबह मैं आपको यह साबित करने जा रहा हूँ कि यह सफल रहा और हम इस पर विचार करेंगे और फिर शुक्रवार की सुबह हम इसे उठाएंगे। "जब मैं दलीला का पुत्र और महेताबेल का पोता शमायाह के घर में गया, जो घर में बन्द था, और उस ने कहा, आओ, हम मन्दिर के भीतर परमेश्वर के भवन में एक साथ मलें, और मन्दिर के द्वार बन्द करें, क्योंकि वे तुम्हें मारने आ रहे हैं और वे तुम्हें रात में मारने आ रहे हैं।" अब एक मिनट रुकें, आइए दृश्य देखें। यहाँ शेमैया है। शमायाह संबल्लत नहीं है, तोबियाह नहीं है, कोई बाहरी व्यक्ति नहीं है। वह भाइयों में से एक है। अंदरूनी सूत्रों में

से एक. नहेमायाह के बारे में कुछ जानकारी मली, क्या? "कुछ जानकारी मली है। यह एक समूह है जो आपको मारने के लिए प्रतबिद्ध है - और इनमें से एक रात, यह आज रात हो सकता है, वे अंदर आ रहे हैं - और एक जगह है जहां आप सुरक्षित रह सकते हैं। मैं जानता हूं कि आप एक आम आदमी हैं मुझे लगता है कि आपको मंदिर के पवित्र परिसर में प्रवेश करने का कोई अधिकार नहीं है, यह आपके जीवन को बचाने के लायक है, तो आप एक आम आदमी के रूप में मंदिर के आंतरिक परिसर में क्यों नहीं भाग जाते - भले ही यह सही नहीं है। -- और अपनी खाल बचा लो।" अब, अगर उसने यह बात टोबिया से सुनी है तो शायद इसका कोई मतलब नहीं होगा, लेकिन कभी-कभी आप इसे उन

लोगों से सुनते हैं जनि पर आप सबसे अधिकि भरोसा करते हैं। अब हम भीतर के हमदर्दों की स्थितिमें आ गये हैं। जो लोग टोबिया और संबल्लाट के प्रतिसिहानुभूति रखते हैं वे आपको प्राप्त करेंगे। अवशिवास के साथ सहानुभूतिका पाप. अवशिवास के साथ सहानुभूतिका पाप. शमैया इनमें से एक है.

खैर, चलो अपने नायक के पास वापस आते हैं, क्या हम? उसने क्या किया, मंदिर के लिए नकिल पड़ा? नहीं, मुझे वह बात पसंद आई जो उसने कही, "क्या मेरे जैसे आदमी को भागना चाहिए?" मुझे किससे भागना है? "और क्या मैं जैसा कोई आम आदमी अपनी जान बचाने के लिए भी मंदिर में जा सकता हूँ? मैं अंदर नहीं जाऊँगा। तब मैंने महसूस किया कि निश्चित रूप से भगवान ने उसे नहीं भेजा था, बल्कि उसने मेरे खिलाफ अपनी भविष्यवाणी की थी क्योंकि तोबियाह और संबल्लत ने" क्या? अरे, यहाँ एक आदमी है जो एक भविष्यवक्ता है! एक झूठा भविष्यवक्ता। हम ऐसे समय में जी रहे हैं जब "गशमुस" हर जगह हैं। मुझे एक दर्शन हुआ है! वह दर्शन यह कहता है। मेरा जवाब है, क्या वह दर्शन परमेश्वर के वचन के अनुरूप है? अगर नहीं है, तो यह परमेश्वर की ओर से नहीं है। यह पुस्तक न केवल शाश्वत और मौखिक रूप से प्रेरति है, बल्कि यह पूर्ण है। 20वीं सदी में परमेश्वर अपने वचन में कुछ नहीं जोड़ रहा है और न ही उसका खंडन कर रहा है।

उसने अपनी भविष्यवाणी बतायी! शैतान के पास भविष्यवक्ता हैं। शैतान के पास उपचारक हैं। सभी उपचार दैवीय नहीं हैं। यदि परमेश्वर ने शैतान को अय्यूब को बीमार करने की अनुमति दी थी, तो संभवतः वह शैतान को उसे ठीक करने की भी अनुमति दे सकता था। यह इस प्रकार है ना? मैंने कहा, "सभी उपचार दैवीय नहीं हैं।" एक उपचार है जो राक्षसी है जो गहरी और गहरी त्रासदयियों का द्वार है जैसे कि शारीरिक उपचार किसी व्यक्ति पर कभी नहीं ला सकता। ठीक है, नहेमायाह के साथ अब हर तरह के

लोग हैं, मैं आपको बताऊंगा कि यह कठिन है लेकिन हमारे प्रभु के साथ भी ऐसा ही था। उसकी मेज पर एक यहूदा बैठा हुआ था। उसके पास पाँचवाँ स्तंभ था; उसके ठीक अंदर दुश्मन का एक समुद्र तट था। कतिब का यह हिस्सा थोड़ा दुखद है। अब नहेमायाह उस पर थोड़ा विस्तार करता है। "उसे इसलिये नियुक्त किया गया, कि मैं डर जाऊं और पाप के अनुसार काम करूं, और उस की बदनामी हो, और वे मेरी निन्दा करें।" (नेह. 6:13)

मैं आपको बताऊंगा कि क्या नहेमायाह उस मंदिर में भाग गया था, कोई भी नहीं आ रहा था, अगले दिन पूरे शहर में, "तुम्हें कोई नेता मिला गया है!" वह भागा, कोई उसके पीछे नहीं था। उसके छपिने से डर गया और क्या आप जानते हैं कि उसने क्या किया?

वह मन्दरि के भीतरी भाग में गया, उनके पास वह बुरी रपिोर्ट थी लेकिन उनके पास वह बुरी रपिोर्ट नहीं थी क्योंकि नहेमायाह ने ऐसा नहीं किया था। अपना जीवन देखना होगा!

अब वह फिर से प्रार्थना करना शुरू करता है, "हे मेरे परमेश्वर, तोबियाह और संबल्लत को उनके इन वचनों के अनुसार स्मरण रखना, और नबियाह नबियाह को भी।" क्या? इसमें एक महिला को भी शामिल कर लिया गया है! एक नबियाह, एक महिला नबियाह, जो गलत पक्ष में खड़ी है! "और बाकी नबियाह जो मुझे डराने की कोशिश कर रहे थे..." (नहे. 6:14) इस वरिध में बहुत सारे पादरी शामिल हो गए। मैं एक बार बहामास में नहेमायाह से प्रचार कर रहा था और हर दिन, मेरे बाद एक घंटे में राष्ट्रीय प्रचारकों में से एक प्रचार करता था। और अबको द्वीप का यह प्रयि भाई पूरे सप्ताह मेरी बातें सुन रहा था। और जसि सुबह मैं इस आयत पर आया, नबियाह नबियाह, मुझे उम्मीद नहीं थी कि आगे क्या होने वाला है। इसलिए मैं उसके समय पर आया और वह उठ खड़ा हुआ और उसने कहा, "हे प्रभु" उसने कहा, "मुझे पता था कि किसी महिला के बना इतनी परेशानी नहीं हो सकती। उसने कहा, वहाँ कहीं न कहीं एक इजेबेल होनी चाहिए!" आप बस यह बता सकते हैं कि उसे अपने घर में महिलाओं की समस्या थी, या उसके चर्च में महिलाओं की समस्या थी! उसके बाद उसे नहेमिया बहुत पसंद आया! लेकिन वह वैसे भी वहाँ है, वह वहाँ है।

गरे इनसाइड से लड़ना

ठीक है, बस एक पल के लिए मेरे साथ आगे बढ़ें और श्लोक 17 से 19 को देखें क्योंकि यह उसी सत्य का हसिसा है। "इसके अलावा उन दनिों में यहूदा के कुलीनों ने तोबियाह को बहुत से पत्र भेजे, और तोबियाह के पत्र उनके पास आए (इनमें से कुछ कुलीन बेच रहे थे)। क्योंकि यहूदा में बहुत से लोगों ने उससे शपथ खाई थी, क्योंकि वह

आरह के पुत्र शकन्याह का दामाद था; और उसके पुत्र योहानान ने बेरेक्याह के पुत्र मशुल्लाम की बेटियों से वविह कयिा था।" वशिवास और अवशिवास के अंतरवविह हुए थे, जो पूरी तरह से नषिदिध था। "इसके अलावा वे मेरी उपस्थिति में उसके अच्छे कामों के बारे में बात कर रहे थे और मेरे शब्दों को उसे बता रहे थे, फरि टोबयिाह ने मुझे डराने के लिए पत्र भेजे।"

अब, नहेमायाह के हाथों में कुछ है, है न? दीवार के बाहर काले से लड़ना एक बात है।

अंदर के भूरे से लड़ना दूसरी बात है।

अब यह शुक्रवार सुबह के व्याख्यान के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण शब्द है, मैं कल व्याख्यान देने जा रहा हूँ लेकिन कल हमारे पास पुनरुद्धार, जबरदस्त पुनरुद्धार होगा। लेकिन अब हम सिर्फ एक सकारात्मक नोट पर समापन करना चाहते हैं। अब पीछे श्लोक 15 और 16 को देखें। "इस प्रकार एलूल महीने की 25 ^{तारीख को} बावन दिन में शहरपनाह पूरी हो गई।" काम हो गया. अब देखिए कि अवशिवासी दुनिया पर क्या प्रतिक्रिया हुई। "और ऐसा हुआ कि जब हमारे सब शत्रुओं ने यह सुना, और हमारे आस-पास की सब जातियों ने इसे देखा, तब उनका भरोसा टूट गया, क्योंकि उन्होंने जान लिया कि यह काम हमारे परमेश्वर की सहायता से पूरा हुआ है" (नेह. 6:15-16) क्या यह अच्छा नहीं है? क्या यह अच्छा नहीं है? और काम पूरा हो गया, दीवार पूरी हो गई। बाड़ा पूरा हो गया है, न कि जो आप करने के लिए निकले थे वह पूरा हो गया है।

फरि अध्याय 7 में जनगणना का एक महान अध्याय है। इसमें उन सभी 50,000 लोगों के नाम हैं जो नहेमायाह के साथ वहाँ थे और यह फरि से नहेमायाह के भाई के बारे में भी बताता है जैसे एक ज़मिंदार पद दिया गया था और अन्य लोगों को जिन्हें ज़मिंदार पद दिए गए थे। और कल सुबह अध्याय 8 की पहली आयत से शुरू करते हुए हम बाइबल के सबसे महान दृश्यों में से एक, पुनरुत्थान के दृश्यों से नपिटने जा रहे हैं।

सारांश

अब, जैसे ही हम आज व्याख्यान समाप्त कर रहे हैं, मैं इसे श्री रेन्डेल के शब्दों में फरि से संक्षेप में प्रस्तुत करने जा रहा हूँ। अध्याय 5: 1-13. झगड़ों से नपिटें, इसे नज़रअंदाज़ न करें, इसे छोटा न करें, इसका सामना करें, इसे सुलझाएं। फरि एक व्यक्ति

के रूप में उदाहरण स्थापति करें। उदाहरण स्थापति करें. आप इसे श्लोक 14 से 19 तक पाएंगे। फरि जैसा कहिमने कहा है, जालों को देखें, अशास्त्रीय सहयोग के जालों को। शत्रु के झूठ पर अत्यधिक प्रतिक्रिया करने का जाल। भीतर अतिसिहानुभूति रखने वालों का जाल। और फरि अध्याय 6 का अंतिम भाग। कार्य समाप्त करें, कार्य पूरा करें और अंत में अध्याय 7 अधिकार सौंपने और नहेमायाह की पुस्तक की सबसे बड़ी चीज़ के लिए तैयार होने से संबंधित एक महान अध्याय है।

मैं चाहता हूँ कि आप प्रार्थना करें कि हिम किसी भी तरह से एक बहुत ही असामान्य तरीके से, बाइबल द्वारा पुनरुत्थान के बारे में सखिाई गई बातों के हृदय में प्रवेश कर सकें क्योंकि हिम आध्यात्मिक जागृतिके एक सच्चे दृश्य के संपर्क में आने वाले हैं। आपके पास पुनरुत्थान के बारे में कई पूर्वकल्पित विचार हो सकते हैं, लेकिन आपको कल उन्हें बाइबल द्वारा बताए गए पुनरुत्थान के साथ जोड़ना होगा और मैं चाहता हूँ कि आप हृदय की तैयारी में प्रार्थना में थोड़ा और अधिक शामिल हों। आइए हम अपने हृदय में पुनरुत्थान के लिए हृदय में तैयार होकर कल की सेवा में आएँ।